बाल विकास कर सिद्धांत

(1) मनोविश्वेषणात्मक सिद्धांत – प्रतिपादक – इरिक एच. इरिकसन। अपने सिद्धांत का विकास सिगमण्ड फ्रायड ।

- इरिकसन इड (ID) से इगो(Ego) तक परिवर्तन पर बल।
- इड तथा इगो से ही पास्परिक संबंधों का विकास होता है।
- व्यक्ति को उसके परिवेश में देखता है।
- मनोवैज्ञानिक बाधाओं पर विजय प्राप्ति के बाद व्यक्ति को विकास का अवसर प्राप्त ।
- मानव विकास के लिए Social Cultural वैचारिक, वातावरण का निर्माण अनिवार्य है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

(2) संज्ञानात्मक सिद्धांत (Cognitive theory) – प्रति पादक जीन प्याज। इनके विचारों पर प्राकृतिक विज्ञानों के साथ दर्शन तथा मनोविज्ञान का प्रभाव।

पियाने का मत एक पक्षीय है। यह मानव व्यवहार पर अधिक बल। उसने अध्ययक्ष का आधार Biology को बनाया।

- सभी विकास एक दिशा में होतेहैं।
- विकास के सभी पक्ष मानसिक स्तरों पर पाए जाते है।
- बालक तथा पौढ़ के व्यवहार में अंतर ।
- सभी प्रकार के परित्यक्व व्यवहारों का मूल शैशवावस्था के व्यवहारों में है।
- विकास स्थूल से सूक्ष्म की ओर ।
- **जीन पियाजे –** विकास के सिद्धांत का दो पक्ष

(1) **इन्द्रिगति (Sensory Motor)** – प्रारंभ के 24 मास में इसका विकास

(2) **संज्ञानात्मक विकास** – इसमें चिंतक तर्क व कल्पना का विकास।

(3) **अधिगम सिद्धांत** – प्रतिपादक राबर्ट रिर्चडसन सीचयर्स

- **योगदान** – बालक के अधिगम की प्रक्रिया ।
- इनके विचरों पर क्लार्क हॉल का प्रभाव ।
- इनके विचारों में व्यवहारवाद और मनोविश्लेषणात्मक में समन्वय।
- अधिगम सिद्धांत बालक की आधारभूत आवश्यकताओं तथा उनके आधार पर सीखने का क्षमता पर बल।
- विकास के साथ–साथ बालक के सीखने तथा कार्य करने की गति में भी परिवर्तन होता रहता है।
- बालक में जिज्ञासा तथा इच्छा सामाजिक सम्पर्क के कारण उत्पन्न होता है।
- बालक का विकास उसके व्यवहार की पूर्णता है।
- विकास की विशेषताएँ :– प्रभावित करने वाले तत्व

CAREER FOUNDATION

(1) **बुद्धि :–** नवीन क्रियाओं के प्रति तत्परता टर्मन
(पहली बार चलने के आधार पर)

13 माह – प्रखर बुद्धि
14 माह – सामान्य
22 माह – मंद बुद्धि
33 माह – मूढ़
(पहली बार बोलने के आधार पर)
11 माह '– प्रखर बुद्धि
16 माह – सामान्य
34 माह मंदबुद्धि
51 माह मूढ़

(2) यौन (Sex) :– जन्म के समय लड़के का आकार बड़ा । यौन परिपक्कता पहले लड़कियाँ में।

(3) ग्रंथियों का स्त्राव – गलें में थॉयरॉयड ग्रंथी के पास Paran Thyroid Gland द्वारा रक्त में (स्त्राव से कैल्सियम का परिभ्रमण होता है । इसके दोष से मांस – पेशियों में अत्यधिक संवेदन शीलता आती है।

- मानसिक तथा शारीरिक वृद्धि के लिए थायरॉक्सिन (Thyroxin) आवश्यक होता है। इसकी कमी से बालक मूढ हो जाता है।

(3) पोषण :– संतुलित आहार
(4) मुद्धवायु एवं प्रकाश
(5) रोग एवं चोर
(6) प्रजाति
(7) संस्कृति

CAREER FOUNDATION

❖ बाल विकास की अध्ययनप्रणाली

- **जीवन वृतांत विधि (Biogrtaphical Method)**
- बालकों के जीवन क्रम का लेखा–जोखा सतर्कतापूर्वक एकत्त । बालक की सहज क्रिया(Reflex action) ज्ञानात्मक (Sensory) और क्रियात्मक (Motor) प्रतिक्रियाओं का अध्ययन ।
  प्रवर्तक – टाइडमैन
- **आत्मनिष्ठ अंकन पद्धति (Subjective) :–** बालक के व्यक्तित्व का अध्ययन। बालक के अनौपचारिक व्यवहार का अध्ययन।
- **नियंत्रित निरीक्षण विधि –** बालक के निजी व्यवहार का अंकना निरीक्षणकर्त्ता चेकलिस्ट पर (Simpton sheep) के द्वारा बालक के

व्यवहार का अंकन चेक लिस्ट बालकों के विभिन्न प्रकार के विकास तथा व्यवहारों की सूची होती है।

- **मनोभौतिकी विधि (Psychophysical Method)** मन तथा शरीर के संबंधों का अध्ययन। इसका बालक के व्यवहार पर पड़ने वाला प्रभाव का अध्ययन। इसी अध्ययन के सहारे बिने (Binel) ने बुद्धि लढिय की कल्पना । इस विधि से उद्दीपन व अनुक्रिया के मध्य होने वाले संबंधों का अध्ययन।
- **प्रश्नावली विधि (Questionnaries Method) स्ट्रेन्लजे हॉल –** 123 प्रश्नों की सूची । बोस्टन स्कूल के बच्चो।
- चिकित्सात्मक विधि (The clinical Method) बालकों के जटिल ग्रंथियों का अध्ययन ।
- बालकों के असामान्य व्यवाहरों का उपचार ।

❖ विकास की अवस्थाएँ

CAREER FOUNDATION

- गंर्भाधान काल – गर्भ की स्थिति से जन्म तक 9 कैलेण्डर मास +10 दिन/ 10 दिन/10 चन्द्र मास/280 दिन।
- **रौशव – जन्म से 5 वर्ष**
- **बाल्य काल – 6 –12 वर्ष**
- **किशोरावस्था – 13–19 वर्ष**
- **शैशव (Infancy) –** लंबाई 20 इंच आर 5–8 पौण्ड (जन्म के समय)
- **बाल्यकाल –** शारीरिक विकास के साथ सामाजीक सांस्कृतिक और संवेगात्मक विकास भी जुड़ा हुआ
- **किशोरावस्था – (Teen Age)–** इस अवस्था में संवेगात्मक अथवा भानात्मक पक्ष बालकों पर हावी होता है। इस अवस्था में अभिभावकों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है।